कक्षा छठी व्याकरण
अप्रैल से मई

पूजा ग्रोवर
कंप्यूटर प्राध्यापक
(Computer faculty)
स.स.स.स कर्मगढ़ (बरनाला)

लिंग बदलो

माता	पिता
बहन	भाई
लड़की	लड़का
पुत्री	पुत्र
पत्नी	पति
गाय	बैल
बकरी	बकरा
सिंहनी	सिंह
घोड़ी	घोड़ा
नौकरानी	नौकर
मुर्गी	मुर्गा

जोड़े देखो और बनाओ।

लड़का	लड़की
मुरगा	मुरगी
नाना	नानी
हिरन	हिरनी
मोर	मोरनी

शेर	औरत	चिड़िया	चुहिया
दादा	बेटी	सिंह	बुढ़िया
आदमी	शेरनी	चूहा	चिड़ा

निम्नलिखित अनुसार शब्दों का मिलान करो :

(i) लिंग बदलो।

1 अध्यापक	बबुआइन	3
2 पिता	अध्यापिका	1
3 बाबू	कुमारी	6
4 पुत्र	रानी	11
5 बालक	लड़की	9
6 कुमार	पुत्री	4
7 शिक्षक	माता	2
8 युवक	नौकरानी	12
9 लड़का	बालिका	5
10 बेटा	शिक्षिका	7
11 राजा	युवती	8
12 नौकर	बेटी	10

6. एक और अनेक (वचन)

वचन — एकवचन (एक वस्तु)
— बहुवचन (अनेक वस्तुएँ)

पढ़िए–

	एकवचन	बहुवचन
1.	लड़का	लड़के
	बल्ला	बल्ले
	पौधा	पौधे
	पत्ता	पत्ते
	सपेरा	सपेरे
	कमरा	कमरे
	ताला	ताले
2.	लड़की	लड़कियाँ
	नदी	नदियाँ
	घड़ी	घड़ियाँ
	कुर्सी	कुर्सियाँ
	चाबी	चाबियाँ
	मछली	मछलियाँ
3.	किताब	किताबें
	बहिन	बहिनें
	साइकिल	साइकिलें

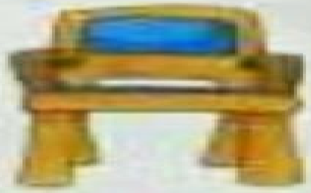

(iii) वचन परिवर्तन

1 बेटा	दुकानें	3
2 बंदूक	रुपए	4
3 दुकान	बेटे	1
4 रुपया	वे	5
5 वह	बंदूकें	2
6 वर्दी	कहानियाँ	8
7 तख्ता	नदियाँ	10
8 कहानी	साँसें	9
9 साँस	वर्दियाँ	6
10 नदी	तख्ते	7
11 मोटा	आँखें	12
12 आँख	लड़के	15
13 बच्चा	माताएँ	14
14 माता	मोटे	11
15 लड़का	बच्चे	13

शुद्ध - अशुद्ध शब्द

निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध – शब्द रेखांकित करो।

1	अकाश, आकाश, आकास, आकश।	उत्तर : आकाश
2	कुसुम, कुसम, कुषम, कुशुम।	उत्तर : कुसुम
3	देनिक, दैनीक, दैनिक, देनीक।	उत्तर : दैनिक
4	ईश्वर, इसवर, इश्वर, ईस्वर।	उत्तर : ईश्वर
5	प्रमात्मा, परमात्मा, परमातमा, परात्मा।	उत्तर : परमात्मा
6	गिड़गिड़ाना, गीड़गिड़ाना, गीड़गीड़ाना, गीड़गिढ़ाना।	उत्तर : गिड़गिड़ाना
7	मुकतसर, मुक्तशर, मुक्तसर, मूकतसर।	उत्तर : मुक्तसर
8	प्रधान्मन्त्री, प्रधानमन्त्री, परधानमन्त्री, प्रधानमनत्री।	उत्तर : प्रधानमन्त्री
9	सहपाठी, शहपाठीं, सहपाठि, सहपाटि।	उत्तर : सहपाठी
10	सेनिक, सैनिक, सैनीक, सेनीक ।	उत्तर : सैनिक
11	बूराइ, बुराइ, बुराई, बूराई ।	उत्तर : बुराई
12	इमानदार, ईमानदार, इमामदार, एमानदार ।	उत्तर : ईमानदार
13	दुकानदार, दूकानदार, दुकनदार, दुकानधार।	उत्तर : दुकानदार
14	साधारण , सादारण, साधारन सधारण	उत्तर : साधारण
15	अध्यापक, अधियापक, अद्यापिक, अध्यपक।	उत्तर : अध्यापक

नए शब्दों का निर्माण

विजय + ई = विजयी

लालच + ई = लालची

गर्म + ई = गर्मी

सर्द + ई = सर्दी

घबराना + आहट = घबराहट

चिकना + आहट = चिकनाहट

कड़वा + आहट = कड़वाहट

मुस्कराना + आहट = मुस्कराहट

सफल + ता = सफलता

मित्र + ता = मित्रता

चतुर + ता = चतुरता

सज्जन + ता = सज्जनता

प्रधान + मंत्री = प्रधानमंत्री

चिर + निद्रा = चिरनिद्रा

अन्न + दाता = अन्नदाता

सह + पाठी = सहपाठी

राष्ट्र + प्रेम = राष्ट्रप्रेम

आत्म + घातक = आत्मघातक

मुहावरे

1. **अंग-अंग मुसकराना** (बहुत प्रसन्न होना)– जन्मदिन के अवसर पर उसका **अंग-अंग मुसकरा रहा है।**

2. **अक्ल का दुश्मन** (मूर्ख)–विभा तो **अक्ल की दुश्मन** है। उसे कुछ समझ ही नहीं आता।

3. **आकाश से बातें करना** (बहुत ऊँचा होना)– महानगरों की अनेक इमारतें **आकाश से बातें करती हैं।**

4. **आसमान सिर पर उठाना** (बहुत शोर करना)– सोमवार को भी राशन की दुकान बंद मिली, तो ग्राहकों ने **आसमान सिर पर उठा लिया।**

5. **आकाश-पाताल एक करना** (बहुत अधिक प्रयत्न करना)–स्मृति ने भी तो **आकाश-पाताल एक कर दिया था**, यूँही थोड़े पुरस्कार मिल गया।

6. **आस्तीन का साँप** (मन ही मन शत्रुता रखना)– राम प्रसाद तो **आस्तीन का साँप निकला**, अपने

7. **आग में घी डालना** (क्रोध को और बढ़ाना)– अध्यापक की आज्ञा के विरुद्ध कार्य करके महेश ने **आग में घी डाल दिया।**

8. **आगबबूला होना** (गुस्से से भर जाना)–लंका जलने का समाचार पाते ही **रावण आगबबूला हो उठा।**

9. **अपना उल्लू सीधा करना** (अपना मतलब निकालना)– आजकल तो हर कोई दोस्ती के नाम पर **अपना उल्लू सीधा करना** चाहता है।

10. **आँखें बिछाना** (बहुत आदर करना)–लोगों ने नेताजी के आगमन पर **आँखें बिछा दीं।**

11. **आँखें फेर लेना** (व्यवहार बदलना)–स्वार्थी चित्रा ने काम निकलते ही **आँखें फेर लीं।**

12. **ईंट से ईंट बजाना** (नष्ट-भ्रष्ट करना)–रानी लक्ष्मीबाई ने युद्ध में शत्रुओं की **ईंट से ईंट बजा दी।**

13. **कान भरना** (चुगली करना)–**कान भरने वाले** दोस्तों से सावधान रहा करो।

14. **कंधे से कंधा मिलाना** (पूरा सहयोग करना)–इस इमारत के निर्माण कार्य में सभी व्यक्तियों ने **कंधे से कंधा मिलाकर** काम किया है।

15. **कलेजे पर पत्थर रखना** (धैर्यपूर्वक पीड़ा सहना)– माँ ने **कलेजे पर पत्थर रखकर** पुत्र को अंतिम विदाई दी।

16. **कलेजा ठंडा होना** (संतोष पाना)–युद्धभूमि में शत्रुओं की पराजय का समाचार पाकर महारानी

संज्ञा किसे कहते हैं? और इसके कितने भेद हैं ?

वह शब्द जिससे किसी प्राणी, स्थान, वस्तु, भाव या गुण का बोध हो, 'संज्ञा' कहलाता है।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

अतः जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

नीचे लिखे वाक्यों में से व्यक्तिवाचक संज्ञा छाँटिये :

(क) (1) **लाल बहादुर शास्त्री भारत** के दूसरे प्रधानमंत्री थे।

(2) उनका जन्म **बनारस** में हुआ।

(3) वे मेला देखने **गंगा** पार गये।

ऊपर लिखे पहले वाक्य में '**लाल बहादुर शास्त्री**' किसी विशेष व्यक्ति के नाम का बोध कराता है। '**भारत**' शब्द से देश विशेष का ज्ञान होता है। दूसरे वाक्य में '**बनारस**' कहने से एक विशेष स्थान का ही विचार मन में आता है। इसी प्रकार तीसरे वाक्य में '**गंगा**' शब्द से एक विशेष नदी अर्थात् गंगा नदी का बोध होता है।

जातिवाचक संज्ञा

अत: जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की सम्पूर्ण जाति या वर्ग का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

निम्नलिखित में से जातिवाचक संज्ञाएँ छाँटिये :

(ख) (1) लाल बहादुर शास्त्री का जन्म साधारण **परिवार** में हुआ था।

(2) शास्त्री जी की **पुत्री** बीमार थी।

(3) उनका **स्कूल** गंगा पार था।

(4) शास्त्री जी अनेक बार **जेल** गये।

ऊपर के प्रथम वाक्य में '**परिवार**', दूसरे में '**पुत्री**' और तीसरे में '**स्कूल**' और चौथे में '**जेल**' ऐसे शब्द हैं जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान को सूचित नहीं करते।

– '**परिवार**' किसी भी परिवार के लिए कहा जा सकता है।

– हरेक '**पुत्री**' के लिए '**पुत्री**' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

– प्रत्येक '**स्कूल**' को '**स्कूल**' ही कहा जाता है।

– हरेक '**जेल**' के लिए '**जेल**' शब्द का ही प्रयोग होता है।

अर्थात 'परिवार' कहने से सभी परिवारों, 'पुत्री' कहने से सभी पुत्रियों, 'स्कूल' कहने से सभी स्कूलों तथा जेल कहने से सभी जेलों का बोध होता है, किसी एक का नहीं।

भाववाचक संज्ञा

विशेष :- भाववाचक संज्ञा की सबसे बड़ी पहचान यह है कि उसका चित्र नहीं बन सकता। जैसे बच्चे (जातिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है, बचपन (भाववाचक संज्ञा) का नहीं। इसी प्रकार शंकर (व्यक्तिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है उसकी ईमानदारी (भाववाचक संज्ञा) का नहीं।

(क) शंकर सदा **सच** बोलता था।

(ख) वह **बचपन** से **मेहनत** करता था।

(ग) **ईमानदारी सुख** की खान है।

(घ) शंकर **आनन्द** से रहने लगा।

ऊपर के वाक्यों में '**सच**', '**मेहनत**', '**ईमानदारी**', गुण के नाम हैं। '**बचपन**', एक अवस्था का नाम है। '**सुख**' एक दशा का नाम है तथा '**आनन्द**' एक भाव का नाम है। यहाँ 'सच', 'मेहनत', 'ईमानदारी', 'बचपन', 'सुख' तथा 'आनन्द' ये किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम नहीं हैं अपितु उनके गुण, अवस्था, दशा तथा भाव को प्रकट कर रहे हैं। यहाँ ये भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

अत: जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, अवस्था, दशा, भाव आदि के नाम को प्रकट करे, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

बीमारी के कारण अवकाश के लिए मुख्य अध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखें

सेवा में

प्रधानाचार्य जी

स.स.स.स कर्मगढ़

बरनाला ।

श्रीमान जी ,

सविनय निवेदन यह है कि कल स्कूल से घर जाते समय मुझे तेज बुखार हो गया । डॉक्टर ने मुझे 3 दिन आराम करने को कहां है । कृप्या मुझे तिथि 24-04-2020 से 26-04-2020 तक अवकाश देने की कृपा करें । मैं आपका अति धन्यवादी रहूंगा /रहूंगी ।

आपका /आपकी आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम ....

कक्षा – छठी

रोल नं-

तिथि – 23-04-2020

लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी । तभी उसे एक रोटी मिली । वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चहाता था । इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुंह में दबाकर नदी की ओर चल दिया । नदी पर एक छोटा पुल था । जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछायी दिखाई दी । उसने अपनी परछायी को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा ।

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलांग लगा दी । मुंह खोलते ही उसके मुंह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और लालची कुता भूखा ही रह गया । इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये ।

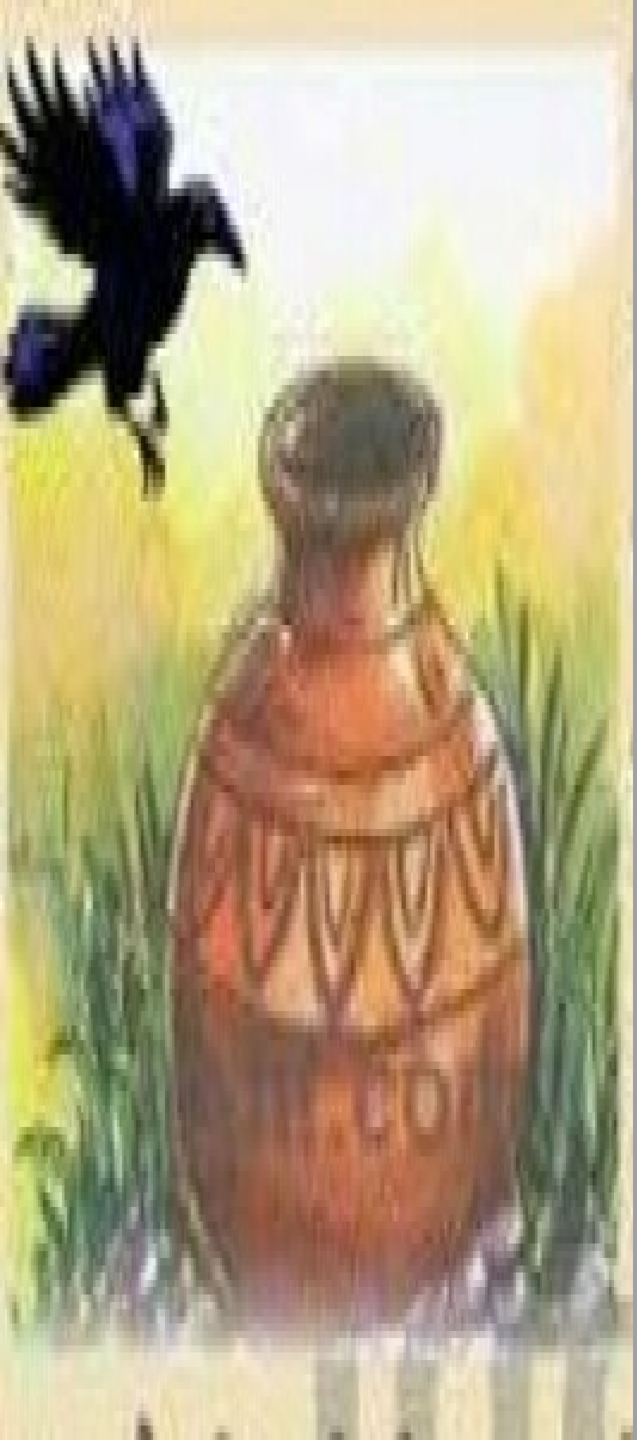

प्यासा कौआ

एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में घूम रहा था। उसे बाग में एक घड़ा दिखाई दिया। जब उसने पास जाकर देखा तो घड़े में पानी बहुत कम था। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने पास पड़े कंकर एक-एक करके घड़े में डालने शुरू किये। देखते ही देखते पानी ऊपर आ गया। कौए ने पानी पीकर अपनी प्यास बुझा ली और खुशी- खुशी उड़ गया।

शिक्षा : जहाँ चाह,वहाँ राह ।

पूजा ग्रोवर
कंप्यूटर प्राध्यापक
(Computer faculty)
स.स.स.स कर्मगढ़ (बरनाला)